पहले दिन चिकित्सा शिविर में 500 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया

बीकानेर,(कासं)। इंडियन सोसायटी ऑफ हाइपरटेंशन, सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग और इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में ब्लड प्रेशर तथा धड़कन की अनियमितता की जांच और परामर्श का निःशुल्क शिविर बुधवार को प्रारंभ हुआ।

औषध विभाग के वरिष्ठ आचार्य और इंडियन सोसायटी ऑफ हाइपरटेंशन के फैलो डॉ. बाल कृष्ण गुप्ता ने बताया उच्च रक्त चाप (हाईपरटेंशन) के चलते धमनियों में लगातार रूप से उच्च दबाव होता है। हमें अक्सर उच्च रक्तचाप का पता नहीं चलता और चलते रोगी के शरीर पर इसका प्रभाव भी दिखाई नहीं देता। उच्च रक्तचाप के विकसित होने की वंशानुगत प्रवृति भी होती है।

इसमें मोटापा, निष्क्रिय जीवन शैली, तनाव, धूम्रपान, अल्कोहल और आहार में नमक (सोडियम) की अत्यधिक मात्रा प्रमुख कारण है। समय पर जांच करते रहने पर हृदय घात, हार्ट फेल, लकवा, गुर्दों का फेल होना व ब्रेन हेमरेज आदि रोगों से बचा जा सकता है। रेडक्रास के स्टेट वाइस चेयरमैन विजय खत्री ने बताया कि उच्च रक्तचाप के बारे में नियमित जांच नहीं करवाने से समय रहते इसकी जानकारी नहीं है। इसके मद्देनजर प्रत्येक व्यक्ति को नियमित रूप से शरीर की जांचें करवानी चाहिए और चिकित्सकों से सलाह लेनी चाहिए जिससे बीमारी का सही समय पर इलाज प्रारम्भ हो जाए और रोग मुक्त होने के अधिक अवसर रहे। उन्होंने बताया कि पहले दिन चिकित्सा शिविर में 500 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग और इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में लगाए निशुल्क चिकित्सा शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण करते चिकित्सक।

औषध विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. संजय कोचर इस दौरान मौजूद थे। रेडक्रॉस के बीकानेर चेप्टर चेयरमैन राजेन्द्र जोशी एवं रेडक्रॉस के हरिशंकर आचार्य ने बताया कि यह शिविर एक माह तक चलेगा। इसके तहत औषध विभाग, पी.बी.एम. अस्पताल के अलावा विभिन्न धार्मिक स्थल, सामाजिक संगठन तथा विश्वविद्यालय आदि सम्मिलित हैं। शिविर में औषध विभाग के कार्यकर्ता तरूण गुप्ता, भरत भूषण, निशान्त, मनोज पंडित व नर्सिंग कर्मी यासमीन आदि ने भागीदारी निभाई।

12 सैम्पल अमानक : हनुमानगढ़ में शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान के तहत जिले में माह अप्रेल में संग्रहित किए गए 46 सैम्पल में से 40 की रिपोर्ट विभाग को प्राप्त हो गई है। इनमें से 12 नमूने अमानक, 9 सब स्टैण्डर्ड एवं 3 नमूने अनसेफ पाए गए हैं। सब स्टैण्डर्ड एवं अनसेफ पाई गई

■ ब्लड प्रेशर तथा धड़कन की अनियमितता की जांच और परामर्श का निःशुल्क शिविर

खाद्य सामग्री के खाद्य व्यवसायियों के विरूद्ध विभागीय कार्यवाही की जा रही है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवनीत शर्मा ने बताया कि आयुक्त (खाद्य सुरक्षा) इकबाल खान के निर्देशानुसार एवं जिला कलक्टर कानाराम के निर्देशन में शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान के तहत खाद्य पदार्थो की सैम्पलिंग एवं बिना लाइसेंस संचालित खाद्य व्यवसायियों के विरूद्व कार्यवाही के संबध में विशेष कार्यवाही निरन्तर जारी है। इसी क्रम में अप्रेल 2024 में जिले में 46 खाद्य नमूने जांच हेतु लिए संग्रहित किए गए थे।

इनमें से 40 नमूनों की जांच रिपोर्ट कार्यालय को प्राप्त हो चुकी है। डॉ. शर्मा ने बताया कि प्राप्त जांच रिपोर्ट में 12 खाद्य नमूने अमानक पाये गये है, जिनमें से 9 सब स्टैण्डर्ड एवं 3 अनसेफ पाये गये है। अनसेफ पाये गये प्रकरण में मै. स्वामी फ्लोर मिल, कीर्ति नगर शामिल है।

फोटो अभिलेखों को जलाने की जांच की मांग

बीकानेर, (कासं)। गौरव सैनानी एसोसिएशन-बीकाणा के अध्यक्ष कर्नल हेमसिंह शेखावत के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री एवं कला एवं संस्कृति मंत्री, अध्यक्ष राजस्थान धरोहर संरक्षण प्राधिकरण के नाम जरिये जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। जिसमें राजस्थान राज्य अभिलेखागार द्वारा विजिटर्स गैलरी के तमाम फोटो फाड़ने और अभिलेखों को बिना इजाजत के जलाने की जांच करवाने की मांग की गई है।

शेखावत ने बताया कि 3 मई को सांयकाल 4:00 बजे के लगभग राजस्थान राज्य अभिलेखागार के दो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए, जिसमें पहला वीडियो अभिलेखागार परिसर के अंदर कचरा पात्र के पास पूर्व मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय व राज्य सरकार के मंत्रियों, मुख्य सचिव और कई अन्य वीवीआईपी के फटे हुए फोटो कचरे में पड़े हुए दिखाई दिए। इसी प्रकार दूसरा वीडियो कुछ दस्तावेज जलाने का वीडियो है, जिसमें जलाने के वक्त जो कागज दिखाई देते है। वे अत्यन्त पुराने जमाने के दिखाई दे रहे हैं। बाद में पूछताछ करने पर पता चला है कि दोनों वीडियो की सच्चाई जानने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल राज्य अभिलेखागार गया था और वर्तमान कार्यकारी निदेशक से सवाल किया कि आपने विजिटर्स गैलेरी के तमाम फ़ोटो क्यों फड़वाई।

सार-समाचार

एक शाम पांच फनकारों के नाम

'एक शाम पांच फनकारों के नाम' में एम. शाकिर को श्रद्धांजलि देते कलाकार।

बीकानेर, (कासं)। अमन कला केंद्र व उत्तर पश्चिम रेलवे ललित कला एवं सांस्कृतिक संस्था बीकानेर मंडल के संयुक्त तत्वावधान कार्यक्रम बुधवार को रेलवे ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। हिन्दी सिनेमा के महान पार्श्व गायक मोहम्मद रफ़ी साहब जन्म शताब्दी समारोह प्रेस फोटोग्राफर एम शाकिर को समर्पित एक शाम पांच फनकारों के नाम कार्यक्रम आयोजित किया गया। अमन कला केंद्र के अध्यक्ष मोहम्मद रफीक कादरी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी एन. डी. रंगा व रेल मंडल प्रबंधक आशीष कुमार थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शशि चुग, रीजनल सचिव महिला एवं बाल विकास भारत विकास परिषद् व हाजी अयूब अली सोढ़ा डायरेक्टर होटल बाबुल पैलेस ने की विशिष्ट अतिथि के रूप में सैय्यद अख्तर अली हाजी मकसूद अहमद पूर्व महापौर नगर निगम डॉ सुनील कुमार हर्ष अधीक्षक राजकीय चिकित्सालय डॉ प्रवीण चतुर्वेदी पूर्व अधीक्षक राजकीय चिकित्सालय एम दाऊद बीकानेरी एम आर मुगल, डॉ मुकेश सिंघल, डा हिमांशु दाधीच, यशपाल नागपाल, डॉ भूपेंद्र तिवाड़ी, मोहम्मद सदीक चौहान, रहमत अली, नेमीचंद गहलोत, अशोक सोनी जसमतिया थे। अनवर अजमेरी ने बताया कि कार्यक्रम मे मो रफीक कादरी, अहमद हारून कादरी, ख्वाजा हसन कादरी, अनवर अजमेरी, डॉ पी. के. सरीन, ललित शर्मा, प्रवीण शर्मा, सुमन पंवार, दीपमाला, डॉ तपस्या चतुर्वेदी, राजेश अरोड़ा, दिव्यांशु अग्रवाल, सुनील शादी, शुभेंदु अग्निहोत्री, देवेंद्र सिंह, डॉ हिमांशु दाधीच, डॉ प्रवीण चतुर्वेदी, डॉ भूपेंद्र तिवाड़ी आदि गायक कलाकारों ने मोहम्मद रफी, किशोर कुमार, मुकेश, तलत महमूद, हेमंत कुमार के गाए गीत प्रस्तुत कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन मो रफीक कादरी ने किया।

मनरेगा में कार्य शुरू कराने की मांग

बंद पड़े मनरेगा कार्य शुरू करने की मांग को लेकर खेत मजदूर यूनियन ने प्रदर्शन किया।

श्रीकरणपुर, (कासं)। विभिन्न ग्राम पंचायतों में बंद पड़े मनरेगा कार्य शुरू करने सहित अन्य कई मांगों को लेकर अखिल भारतीय खेत मजदूर यूनियन ने मंगलवार को एसडीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन एसडीएम को सौंपा गया। इस पर एक सप्ताह में कार्रवाई नहीं होने पर धरने की चेतावनी दी गई। जानकारी अनुसार खेत मजदूर यूनियन के जिला अध्यक्ष जीतसिंह धरिंगावाली, माकपा पदाधिकारी केवल सिंह व मुकेश मोहनपुरिया के नेतृत्व में श्रमिकों ने एसडीएम कार्यालय पर प्रदर्शन व सभा की। इसके बाद एसडीएम श्योराम को मांगों के संबंध में ज्ञापन सौंपा गया। इसमें उन्होंने सभी गांवों मे मनरेगा कार्य शुरू करने, पूर्व सरकार की ओर से माफ की गई विद्युत बिल की राशि नहीं वसूलने, खाद्य सुरक्षा योजना में पात्र का नाम जोडने, कैटल शैड की राशि का भुगतान करने, वृद्धावस्था पेंशन 5000 रूपए करने, ग्राम पंचायतों में गरीबों को पट्टे जारी करने, गांव बुर्जवाला में पेयजल व्यवस्था सुधारने, मनरेगा कार्यस्थल पर छाया, पानी व दवाई की व्यवस्था करने, राजनीतिक दबाव से गरीबों पर किए जा रहे अत्याचार पर अंकुश लगाने व क्षेत्र में नशे के कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई की मांग की। एसडीएम ने मामले में कार्रवाई का भरोसा दिलाया। मौके पर संगठन के रामचंद्र, किशना राम, तरसेम सिंह, मंगल सिंह व बिंद्र सिंह सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे। एसडीएम को ज्ञापन देते हुए श्रमिक संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि पंचायतों में मनरेगा के तहत सौ दिन पूरे नहीं हो रहे।

राजस्थानी को मान्यता की मांग

बीकानेर, (कासं)। राजस्थानी भाषा के संवर्द्धन, संरक्षण और मान्यता के लिए प्रयासरत आरटीआई कार्यकर्ता ओमप्रकाश ओझा ने राजस्थानी भाषा को प्रदेश की द्वितीय राजभाषा बनाए जाने का आग्रह राज्य सरकार से किया है। आरटीआई कार्यकर्ता ओझा ने बताया कि 15 अगस्त 1947 को भारत को ब्रिटिश शासन से आजादी मिली। भारत सरकार ने राज्य पुर्नगठन आयोग की सिफारिश पर सभी राज्यों की सीमाएं भाषाई और सांस्कृतिक आधार पर बल देते हुए निर्धारित की। देशी रियासतें पूरे भारत में पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक फैली हुई थी, उन सभी का राज्यों में अधिमिलन इस फॉर्मूले के आधार पर किया गया लेकिन पूर्व में राजपूताना और स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद राजस्थान को इस कवायद से अलग रखा गया था।

मानसून का इंतजार, किन्नू की बम्पर पैदावार की उम्मीद

हनुमानगढ़, (कासं)। गत सीजन की तरह आगामी सीजन में भी जिले के लोगों को किन्नू के फल आसानी से नसीब होंगे। बागवानी के लिहाज से अब तक मौसम के अनुकूल रहने की वजह से ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है। इस बार नहरबंदी टलने की वजह से बागों को सिंचाई पानी भी समय पर मिला। तापमान भी बागवानी के लिहाज से काफी नियंत्रित रहा।

इस वजह से बागों की स्थिति काफी अच्छी है। इस वक्त फल लगने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बागों में फ्रूटिंग शुरू हो गई है। अब किसानों को मानसून का इंतजार है। बारिश के सीजन में फलों में रस बनने की प्रक्रिया शुरू होगी। इस दौरान ही पता चलेगा कि फल खट्टे होंगे या फिर मीठे फल लोगों को नसीब हो सकेंगे।

किसानों का कहना है कि मानूसन के बाद जैसे-जैसे ठंड बढ़ेगी, फलों की मिठास बढ़ती जायेगी। नवम्बर के अंतिम सप्ताह तथा दिसम्बर के पहले सप्ताह में बागों से फल टूटने शुरू हो जायेंगे। इसके बाद बाजार में किन्नू की आवक शुरू हो जायेगी। उद्यान विभाग

■ इस वक्त बागों में फ्रूटिंग शुरू हो गई है, अब किसानों को मानसून का इंतजार है

के अधिकारियों के अनुसार इस बार मार्च से मई तक फ्रूटिंग के दौरान मौसम ठीक रहने से फल अच्छे लगे हैं। शुरूआती भाव 25 रुपए किलो के हिसाब से लग रहे हैं।

ऐसे में आगामी सीजन किन्नू उत्पादक किसानों के लिए अच्छा रहेगा। हनुमानगढ़ जिले की बात करें तो यहां पर कुल 4500 हेक्टैयर में किन्नू बाग लगे हुए हैं। इसी तरह श्रीगंगानगर में करीब तेरह हजार हेक्टैयर में बाग लगे हैं। चालू सीजन में किन्नू बागों में लगे फलों से किसान उत्साहित हो रहे हैं।

बीते सीजन में जिले में किन्नू का अच्छा उत्पादन हुआ। इससे किसानों को रेट उतने नहीं मिले, जितने की उम्मीद थी। किसान दुष्यंत बेनीवाल के अनुसार गत सीजन में रेट ठीक नहीं मिलने के कई कारण रहे। किसान आंदोलन के अलावा ट्रकों की हड़ताल भी वजह रही। इसके अलावा बम्पर उत्पादन भी कारण रहा। क्योंकि बाजार का नियम है, जब ज्यादा उत्पादन होगा तो रेट सामान्य रहते हैं।

इस समय रबी फसलों की कटाई के बाद खेत खाली हैं। कपास आदि पर गुलाबी सुंडी सहित अन्य कीटों का खूब प्रकोप देखने को मिला था। इस स्थिति में रस चूसक कीटों का प्रभाव किन्नू बागों तक पहुंच सकता है। ऐसे में विभागीय सलाह लेकर किसानों को बागों की संभाल करनी चाहिए। साथ ही सावचेती भी बरतने की जरूरत है। कीट नियंत्रण नहीं करने पर बागों की सूरत बदल सकती है।

कृषि विभाग के अधिकारी विपिन भादू के अनुसार किन्नू बागों को कीट से बचाना जरूरी होता है। इस समय बागों में फल लगने शुरू हो गए हैं। गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी खूब फल लगे हैं। ऐसे में किसान यदि समय-समय पर बाग की निगरानी करते रहेंगे तो अच्छा उत्पादन होगा।

पर्यवेक्षण अधिकारी नियुक्त

बीकानेर, (कासं)। शहर में साफ सफाई, सड़कों के गुणवत्ता पूर्वक निर्माण, मरम्मत, पेचवर्क, सौंदर्यीकरण तथा सुगम यातायात व्यवस्था सहित विभिन्न कार्यों की मॉनिटरिंग के लिए जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने 11 पर्यवेक्षण अधिकारी नियुक्त किए हैं।

इस संबंध में जारी आदेशानुसार नियुक्ति किए गए अधिकारी आवंटित सेक्टर अथवा वार्ड में समय-समय पर भ्रमण कर शहर की साफ सफाई, सौंदर्यीकरण, सड़कों की मरम्मत पेचवर्क तथा सुगम यातायात व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेंगे। इन अधिकारियों के सहयोग के लिए नगर निगम के स्वच्छता निरीक्षक तथा स्वास्थ्य अधिकारी भी क्षेत्रवार नियुक्त किए गए हैं।

पशु विज्ञान विश्वविद्यालय राजुवास की रजिस्ट्रार बिंदु खत्री को वार्ड संख्या 57,58,59,60,61,73,74,75 का पर्यवेक्षण अधिकारी बनाया गया है उनके साथ निगम के मुख्य स्वच्छता निरीक्षक अशोक कुमार व्यास कार्य देखेंगे। उपखंड अधिकारी बीकानेर कविता गोदारा को वार्ड संख्या 6,7,8 29,30,31,47 और 48 के लिए पर्यवेक्षण अधिकारी नियुक्त किया।

डागा चौक में पुराना मकान गिरा, हादसा टला

बीकानेर, (कासं)। शहर में हाल ही में हुई बारिश के साथ ही पुराने और जर्जर मकान-इमारतों के गिरने का सिलसिला शुरू हो गया है। अलसुबह करीब साढ़े पांच बजे डागा चौक में एक पुराना अचानक गिर गया। गनीमत रही कि मकान के गिरने से उसकी चपेट में कोई नहीं आया।

बताया जा रहा है कि जो मकान गिरा, वह बुलाकी दास जोशी का है। परिवार के तीन सदस्य है। तीनों सदस्य कल रात को ही नजदीक स्थित अपने भाई पुखराज के मकान में सोने गए थे। अन्यथा हादसा हो सकता था। सुबह करीब साढ़े पांच बजे पुराना मकान जिसमें भूतल पर दो कमरे व प्रथम तल पर एक कमरा बना हुआ था अचानक भरभरा कर गिर गए। इससे तेज आवाज हुई। आस पडौस में रहने वाले लोगों की नींद खुल गई व घरों से बाहर निकल आए। बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्रित हो गए।

बुलाकी दास जोशी के भाई पुखराज जोशी ने बताया कि मकान, दीवार व छत गिरने से घरेलु सामान टीवी, कूलर, गैस चूल्हा, गैस भट्टी, बर्तन, राशन सामग्री, कपड़े, बिस्तर

■ मकान के गिरने से उसकी चपेट में कोई नहीं आया

इत्यादि मलबे में दबने से नष्ट हो गए है। बुलाकी दास ठेला गाडा लगाकर परिवार का भरण पोषण कर रहा है।

डागा चौक में जिस स्थान पर पुराना मकान गिरा, उसके आस पास स्थित तीन पुराने और जर्जर मकानों व इमारतों पर निगम ने नोटिस चस्पा कर रखे है। ये जर्जर मकान व इमारते कभी भी बारिश के दौरान ढह सकते है व हादसा हो सकता है।

निगम नोटिस चस्पा कर कार्यवाही की इतिश्री कर चुका है। नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में दर्जनों ऐसी इमारतें और मकान है जो दशकों पुराने है व जर्जर स्थिति में है। बारिश के दौरान ये कभी भी ढह सकते हैं व हादसा हो सकता है। नगर निगम ऐसी इमारतों व मकानों का सर्वे कर नोटिस जारी कर चुका है। लेकिन इन इमारतों व मकानों के खतरनाक बन चुके हिस्सों को उतरवाने में उदासीनता बरत रहा है।

चलती बस अचानक धूं-धूं कर जलने लगी

बीकानेर,(कासं)। गजनेर बीकानेर से आरडी 860 रूट में चलने वाली एक निजी बस में चलती बस में आग लग गई। आग फैलती इससे पहले ही चालक सहित सवारियां सुरक्षित बाहर निकल गई जिससे बड़ा हादसा होने से बच गया।

शाम को करीब साढ़े छह बजे बीकानेर पूगल फांटा से यह निजी बस रवाना हुई जो करीब सात बजे तक आसपास कोडमदेसर के पास गांधी प्याऊ के पास पहुंची ही थी। अचानक बस से धुआं ओर आग की लपटें निकलनी शुरू हो गई। चालक ने बस रोक कूद गया और सभी सवारियों को भी सुरक्षित बाहर निकाल लिया। बस में करीब 20-25 सवारियां बजाई जा रही थी। सूचना पर पुलिस बीकानेर से दो अग्निशमन की गडियों भी मौके पर पहुंच गई और करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

वहीं बीछवाल पुलिस थाना क्षेत्र में मारपीट कर पानी का टैंकर ऊपर चढ़ाने के प्रयास का मामला सामने आया है। इस आशय की रिपोर्ट पीड़ित ने पांच नामजद लोगों के खिलाफ थाने में दी है। कानासर गांव निवासी किशोर ने बताया कि कानासर स्थित ईंट भट्टे पर आरोपियों ने एकराय होकर उसके साथ मारपीट की।

पीबीएम में हीट स्ट्रोक वार्ड बनाया

बीकानेर, (कासं)। तापमान में आए उछाल के कारण हीट वेव को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। सभी अस्पतालों में हीट वेव के रोगियों के लिए प्रोटोकॉल लागू कर दिया गया है। इसके तहत संभाग के सबसे बड़े पीबीएम हॉस्पिटल के डी वार्ड को हीटस्ट्रोक वार्ड बनाकर वहां इमरजेंसी दवाओं का स्टॉक कर दिया गया है। अभी इससे पीड़ित रोगी पीबीएम नहीं पहुंचा है।

पीबीएम हॉस्पिटल के अधीक्षक पी के सैनी ने बताया कि डी वार्ड का फ्यूमिनिकेशन करवाकर उसे हीट स्ट्रोक वार्ड बना दिया गया है। वहां 10 बैड हीट स्ट्रोक मरीजों के लिए आरक्षित किए गए हैं।

बुजुर्ग ने कपिल सरोवर में छलांग लगाई, डूबने से मौत

कोलायत, (कासं)। यहां कपिल सरोवर में सुबह 60 वर्षीय बुजुर्ग ने छलांग लगा दी। वहां मौजूद गोताखोरों व अन्य लोगों ने उसे बचा लिया। इसके कुछ देर बाद बुजुर्ग दूसरे घाट पर गया और वहां से सरोवर में कूद गया।

इस बार कोई समय से मदद करने नहीं पहुंच सका, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना का पता चलने पर कोलायत पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के अनुसार बुजुर्ग ने सुबह 12 बजे के करीब मुख्य घाट से पानी में छलांग लगाई थी। तब वहां मौजूद गोताखोर व अन्य लोगों ने उसे बचा

■ एक बार गोताखोरों ने बचाया लेकिन दूसरी बार डूब गया

लिया। लोगों ने सोचा बुजुर्ग है, पैर फिसलने से गिर गया होगा। इस घटना के एक-डेढ़ घंटे बाद वह 25 नंबर घाट पर गया और वहां से सरोवर में छलांग लगा दी।

घटना के समय दूसरे घाटों पर लोग मौजूद थे। लेकिन उन्होंने सोचा कि कोई नहाने के लिए पानी में उतरा है। जब काफी देर तक बुजुर्ग नहीं दिखा, तब उन्हें शक हुआ। पुलिस बुलाई गई। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद शव को निकाला जा सका। शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है।

पुलिस के अनुसार बुजुर्ग ने सरोवर में छलांग लगाई, तब उसका सिर व चेहरा पत्थर से टकरा गया था। रमन तैराक ने उसे सरोवर से बाहर निकाला, तब उसके नाक व सिर में किनारे से खून निकल रहा था। बुजुर्ग ने नीली बनियान व पायजामा पहन रखा है। सिर पर सफेद छोटे-छोटे बाल हैं। शरीर से दुबला-पतला है।

यूपीएससी में 61वीं रैंक प्राप्त करने वाली खुशहाली सोलंकी बीकानेर गौरव से सम्मानित

बीकानेर, (कासं)। इकरा वेलफेयर सोसायटी की ओर से यूपीएससी परीक्षा में 61वीं रैंक प्राप्त करने वाली खुशहाली सोलंकी को बीकानेर गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया।

इकरा वेलफेयर सोसायटी के कोऑर्डिनेटर मईनुदीन कोहरी ने बताया कि सोसायटी द्वारा प्रथम 'बीकानेर गौरव सम्मान' रामपुरा आदर्श बाल विद्या निकेतन स्कूल के प्रांगण में आयोजित किया गया यह सम्मान बीकानेर की लाडली बेटी खुशहाली सोलंकी को यूपीएससी परीक्षा में 61 वीं रैंक हासिल करने पर प्रदान किया गया।

समरोह की अध्यक्षता शौकत अली उस्ता ने की। विशिष्ट अतिथि जैनुल आबेदीन संस्था के एडवाइजर रफीक बे-जिगर ससंथा के डायरेक्टर मोहम्मद हनीफ साहब ने फूलों का गजरा, शॉल यादगार मोमेंटो पेश कर 'बीकानेर गौरव सम्मान ' प्रदान किया।

बीकानेर गौरव सम्मान से सम्मानित खुशहाली सोलंकी ने इस

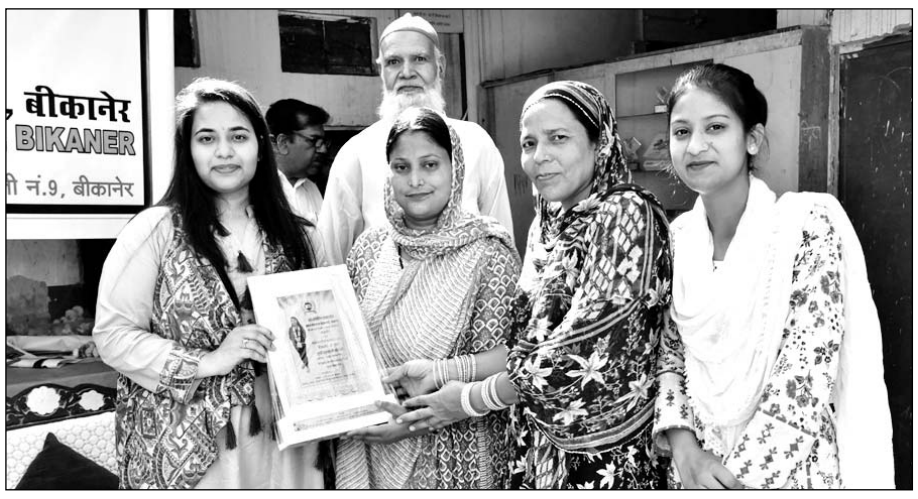

इकरा वेलफेयर सोसायटी की ओर से यूपीएससी परीक्षा में 61वीं रैंक प्राप्त करने वाली खुशहाली सोलंकी को बीकानेर गौरव सम्मान से सम्मानित किया।

अवसर पर इकरा वेलफेयर सोसायटी के बैनर पोस्टर का लोकार्पण भी किया। सुश्री खुशहाली सोलंकी ने अपने उदबोधन में कहा कि मैं सौभाग्य शाली हूं कि इकरा यानि पढ़ जैसी संस्था ने ऐसा सुन्दर कार्यक्रम रखा आज समाज में शैक्षिक जागरण की आवश्यकता है। समाज में बालिका शिक्षा पर ध्यान दिया जाए। सोलंकी ने कहा कि मैं जहां भी काम करूंगी ओर शिक्षा को बढावा दूंगी। आपने कहा कि इकरा वेलफेयर सोसायटी भी बीकानेर में शिक्षा की

■ फूलों का गजरा, शॉल यादगार मोमेंटो पेश कर 'बीकानेर गौरव सम्मान ' से नवाजा

अलख जगाने में मील का पत्थर साबित हो। इकरा के कार्यक्रम भी आप बुजुर्गों की दुआ से कामयाब होंगे।

इस अवसर पे खुसूसी मेहमान जनाब जैनुल आबेदीन साहब ने उमदा विचार रखते हुए इकरा को तन मन धन से सहयोग के साथ शिक्षा व शिक्षा से जुड़ी बातें बताई व कहा खुशहाली सोलंकी की कामयाबी से बीकानेर की युवा पीढ़ी प्रेरणा लेगी। आयोजन में मोहम्मद शरीफ समेजा, अब्दुल समद, मनीष शर्मा आदि ने भी संबोधित किया। नबाब खां, शौकत खान, हाजी बुलेशा, अमीन शाह आदि कई लोगों ने इकरा के आयोजन को हर गांव/ मोहल्ले तक आयोजित करने के विचार रखे।

न्यायिक अधिकारियों ने बताए बाल विवाह के दुष्प्रभाव

श्रीकरणपुर, (कासं)। तालुका विधिक सेवा समिति की ओर से राजकीय उ. मा.विद्यालय व महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में विधिक जागरूकता शिविर लगाया गया। इसमें न्यायिक अधिकारियों ने बाल विवाह के दुष्प्रभावों व बाल विवाह निषेध अधिनियम के बारे में बताया।

जानकारी अनुसार हाई स्कूल में हुए कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एडीजे इंदिरा बनेरा ने कहा कि बाल विवाह एक ऐसा अभिशाप है जो बालक-बालिकाओं के ना केवल वर्तमान बल्कि भविष्य के लिए खतरा बनकर पूरे जीवन चक्र को प्रभावित करता है। मानसिक व शारीरिक दुष्प्रभावों के साथ यह उनके जीवन की सुरक्षा, विकास और सहभागिता के अधिकारों को पूरी तरह वंचित कर देता है। वहीं एसीजेएम मोहनलाल बेदी ने कहा कि बाल विवाह निषेध अधिनियम-2006 के तहत बाल विवाह गैर कानूनी है।

एसीजेएम मोहनलाल बेदी ने बाल विवाह के दुष्प्रभावों व बाल विवाह निषेध अधिनियम के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि इसके तहत ब्याह रचाने वाले दोनों परिवारों व धर्मगुरू के साथ-साथ बाल विवाह में शामिल बारातियों को भी जेल की हवा खानी पड़ सकती है।

समिति सचिव शुभम कुमार के साथ हाई स्कूल की प्रधानाचार्य रेणु चौहान, व्याख्याता सुभाष गुप्ता तथा महात्मा गांधी स्कूल में मंचासीन तरुण सिगला, सुरेन्द्र बिश्नोई, नरेश जक्खू, संतोष रानी, प्रीति मित्तल आदि ने भी विचार व्यक्त किए।